Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to include Bhojpuri language in Eight Schedule to the Constitution.

श्री रवि किशन (गोरखपुर): धन्यवाद महोदय । आपने मुझे लोक महत्व के अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दे को सदन में उठाने की अनुमति दी । ये मुद्दा भोजपुरी का है । पच्चीस करोड़ लोग इस देश में भोजपुरी बोलते हैं और समझते हैं । मॉरीशस में इसे दूसरी राष्ट्रभाषा के रूप में सम्मान भी मिला है । गुयाना, टोबैगो, कैरीबियन जितनी भी कंट्रीज हैं, वहां पर भोजपुरी बोली जाती है, लेकिन यह 8वीं अनुसूची में नहीं है । यह पूरा समाज इतना पगला गया, इतना बौरा गया जब प्रधान मंत्री जी बोले कि 'का हालबा काशी, गोड छूके प्रणाम करत हई और नमस्कार करत हई बिहार के', पूरा बम बम हो गया था । वहां पूरे समाज की उम्मीद जाग गई कि हमारे श्रद्धेय यशस्वी, हमारे तेजस्वी प्रधान मंत्री अब इसे 8वीं अनुसूची में ले आयेंगे । अब हमारी सरकार इसे 8वीं अनुसूची में ले आएगी ।

"हे गंगा मैया तोहे पियरी चढईबो, सैंया से करदे मिलनवा" ।

माननीय अध्यक्ष: गाने की गाथा बाद में कर लेंगे ।

श्री रवि किशन : महोदय, यह इस भाषा की मिठास है । मैं हाथ जोड़कर अपनी सरकार से विनती करता हूं और निवेदन है कि इसे 8वीं अनुसूची में लाया जाए ।

माननीय अध्यक्ष: डॉ. किरिट पी. सोलंकी, श्री नारणभाई काछड़िया, कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल, श्री उदय प्रताप सिंह, डॉ. संजय जायसवाल, श्री कमलेश पासवान को श्री रवि किशन द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।